भारतीय छात्रों के शिकार क्षुद्र ग्रह!

भारत में अंतरिक्ष द्वारा आयोजित आल इंडिया ऐस्टरॉइड सर्च कैंपेन 2016 के माध्यम से नासा और ऐस्टरॉइड ग्रैंड चैलेंज डिजिटल बैजिंग कमाने के लिए भारतीय छात्रों का प्रथम बैच

स्पेस, एस्ट्रोनॉमी एवं स्पेस साइंस संस्थान अपने विश्व प्रख्यात एवं प्रशंसित कार्यक्रम, आल इंडिया एस्टेरोइड सर्च कैंपेन 2016 के तहत भारतीय छात्रों को क्षुद्रग्रह खोज करने अवसर प्राप्त करा रहा है। यह कार्यक्रम स्पेस प्रतिवर्ष हार्डिन सिमंस यूनिवर्सिटी-संयुक्त राज्य अमेरिका के डॉ पैट्रिक मिलर के सहयोग से भारतीय छात्रों के लिए आयोजित किया जाता है।

अभियान में 90 टीमें, प्रत्येक टीम (2 प्रतिभागियों) भारत भर के लिए 2 चरणों में इस अवसर प्रदान किया है। जुलाई 26-अगस्त 23, 2016 - द्वितीय चरण जून 27-जुलाई 25, 2016 और - टीमों मैं चरण के लिए वैज्ञानिक मानकों के आधार पर चुना गया है।

आल इंडिया एस्टेरोइड सर्च कैंपेन, एक अद्वितीय और अनन्य अंतर्राष्ट्रीय 2010 6 सफल वर्षों के अंतराल पर के बाद से भारत भर में भारतीय छात्रों और शौकिया खगोलविदों के लिए अंतरिक्ष द्वारा बनाया मंच है, जो अंतरिक्ष में हुई है भारत भर में 500 से अधिक प्रतिभागियों को यह अवसर प्रदान किया कई उपलब्धियों और खोजों, और स्कूली बच्चों द्वारा भारत में पहली बार के लिए कई। भारतीय छात्रों के लिए अंतरिक्ष द्वारा दिए गए प्रशिक्षण के माध्यम से, 19 अनंतिम (पुष्टि) क्षुद्रग्रहों की खोज, 2 विशेष खोज, क्षुद्रग्रहों की 96 प्रारंभिक खोज, 62 पृथ्वी निकट वस्तु पुष्टियों और 1636 में धरती के पास टिप्पणियों वस्तु की एक उल्लेखनीय नंबर हासिल किया है।

इसके अलावा, स्पेस, एस्टेरोइड ग्रैंड चैलेंज (एजीसी) के सहयोग से डिजिटल बैजिंग की घोषणा एक पायलट कार्यक्रम के रूप में की गयी है।

यह बैज फेसबुक, ट्विटर और लिंक्डइन जैसे सभी प्लेटफार्मों भर में देखी जा सकती है। AIASC 2016 के प्रतिभागियों को छात्रों के पहले समूह में शामिल होने और इस प्रणाली के तहत बैज कमाने के लिए शामिल हैं।

संपर्क:

मोनिका सांगवान

जन-संपर्क अधिकारी

स्पेस

pr@space-india.com